मूक आँसू

जब गुरू का स्नेह मेरी आत्म को मिला,
मेरी तरूणाई का पुनर्जन्म हुआ।
मत पूछो कारण इसका,
कारण प्यार का तर्क नहीं है।

सम्पूर्ण सृजन का ,
मुख्य प्रवक्ता मैं हूँ।
उसके दुःख और पीड़ा,
मृत्यु के अनन्त चक्र।
जन्म-जन्मान्तर-पुनर्जन्म चक्र,
का मंतव्य स्पष्ट घोषित करता हूँ।
और,करूणामय गुरू,
शीघ्र करो अन्त इस दुविधा का।

आपका आर्शीवाद सबको,
उन्मुक्त रूप से प्राप्त है।
अच्छे एवं बुरे, सुन्दर तथा असुन्दर,
पात्र और अपात्र,
सबको समान रूप से।

ओ गुरू मैं कितनी प्रशंसा करूँ आपकी,
आपका प्रेम मेरे मन में बसा है।
उसी को अपने से चिपकाए मैं,
चैन की नींद सोता हूँ।

मूँक आँसू से

सूक्तियां

आप अपना अक्षय कोष ढूढें और तब आप उस अक्षुण्ण स्रोत से कुछ निकाल पायेंगे। यह अपरिमित आर्शीवाद है। इसे अभिव्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं केवल इसकी प्रशंसा कर सकती हूं और यह आशा करती हूं कि आप इस प्रशंसा पर विश्वास करेंगे तथा मेरी ऊर्जा आपके ह्रदय को प्रभावित करेगी और आपको ऐसी आनंदपूर्ण स्थिति तक ले जाएगी कि तब आप मेरा विश्वास करेंगे। दीक्षा संस्कार के बाद आप सचमुच ही मरे शब्दों के अर्थ को समझ जायेंगे। यह महान आर्शीवाद जो ईश्वर ने मुझे प्रदान किया है वह आर्शीवाद तो मैं आप तक नहीं पहुंचा सकती लेकिन मुझे इसे विना शुल्क शर्त के आप को बांटने का अधिकार दिया है

~परम गुरू मां चिंग हाई~

हम अपने आस पास के लोगों को देखकर उनके विषय में सोचकर उनके साथ भोजन या किताब में सहभागी होकर उनसे उनके कुछ कर्म ले लेते हैं। इस तरह हम उन्हें आर्शीवाद देते हैं और उनके कर्मों को कम करते हैं। प्रकाश को फैलाने तथा अंधकार को खत्म करने के लिए हम अभ्यास करते हैं। वे लोग भाग्यवान हैं जो हमें अपने कर्म का कुछ अंश देते हैं। हम उनकी सहायता करने में खुश हैं।

~परम गुरू मां चिंग हाई~

मानवीय भाषा में हम हर समय व्यर्थ की बातें करते रहते हैं हम हमेशा हर वस्तु के बारे में बेमतलब बोलते रहते हैं हम कभी तुलना करते हैं, महत्व देते हैं, पहचानते हैं और हर वस्तु को एक नाम देते हैं। लेकिन, परम, यदि यह सचमुच परम है, आप इसके बारे में कुछ बात नहीं कर सकेंगे। आप उसके बारे में सोच नहीं पायेंगे। आप उसके विषय में कल्पना नहीं कर सकेगे। कुछ नहीं है। समझे।

~परम गुरू मां चिंग हाई~

प्रकाशित पुस्तकें

अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध अनेक पुस्तकों में गुरू माँ चिंग हाई के व्याख्यानों की तीन पुस्तकें तथा प्रश्नोत्तर की एक पुस्तक सम्मिलित है। चित्र (फोटो) तेरह खण्डों में प्रकाशित है। कविता-संग्रह भी उपलब्ध है। ये सभी प्रकाशन फार्मोसा स्थित मुख्यालय से अथवा अन्यप्रेक्षा संघों से व केन्द्रों से मँगवाये जा सकते हैं जो समूचे विश्व में फैले हुए हैं। ऐसे आडियो और वीडियो कैसेट भी हैं जिनमें गुरू माँ के प्रवचन हैं। प्रत्येक आकार के चित्र (फोटो) तथा अंग्रेजी, चीनी, थाई, फ्रांसीसी, स्पेनिश, कोरियाई, पुर्तगाली, इंडोनेशियन और आलक में भी पत्रिकाएं उपलब्ध है। यह पुस्तिका कई विभिन्न भाषाओं में निःशुल्क वितरण के उद्देश्य से प्रकाशित की गई है। कृपया पूछताछ करें।

हमारे सभी प्रकाशन लागत मूल्य में ही बेचे जाते हैं। पुस्तक के वास्तविक मूल्य में अन्तर गंतव्य स्थान की दूरी पर निर्भर होगा। यदि आप इनमें से कोई पुस्तक या अन्य वस्तुएं प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया पहले अपने किसी स्थानीय केन्द्र से अथवा जन सम्पर्क के लिए नियुक्त किसी शिष्य से पूछताछ करें। इसके अतिरिक्त आप इन्हें सीधे हमारे फार्मोसा स्थित मुख्यालय से भी मँगवा सकते हैं। विशेष विस्तृत जानकारी आपके अनुरोध पर वहीं से मिल सकती हैं।

हिंदी की पुस्तकें

तत्काल बोधप्राप्ति की कुंजी

Collections of Master`s lectures

Available in English (Books 1-3), Korea (Books 1-3), Spanish (Books 1-2), German (Books 1-2), French (Book 1), Portuguese (Books 1), Chinese (Books 1-6), Au Lac* (Books 1-7), Indonesian (Books 1), Thai (Books 1-6), Japanese (Books 1), Polish (Book 1) (*Au Lac= Vietnamese)

तत्काल बोधप्राप्ति की कुंजी: प्रश्न एवं उत्तर

Collections of questions and Answers from lectures available in English (Books 1), Chinese (Books 1-2) , Au Lac (Books 1-2).

तत्काल बोधप्राप्ति की कुंजी: गुरू मां एवं उनके शिष्यों के मध्य पत्र-व्यवहार

Collections of letters available in Spanish (Book 1), Chinese (Books 1-2)

तत्काल बोधप्राप्ति की कुंजी गुरू मां के साथ मेरे अद्भुत अनुभव
Accounts of disciples Available in Chinese (Books 1-2)
मूक आंसू
a book of poems written by Master
Available in English, German and French in one edition English, Chinese, and Au Lac, Spanish, Portuguese, Filipino.
चित्र-संग्रह
Collection of photographs from Master's life volumes 1-13, with notations in English and Chinese
काव्य-संग्रह
Collections of Master's poems in Au Lac
शिल्प-रचना संग्रह
Collection of Master's art treasures or palace fans, longevity lamps, painting, pottery......

कैसे सम्पर्क करें

गुरू मां चिंग हाई के शिष्यों तथा सहयोगियों ने सम्पूर्ण विश्व में अनेक केंद्रों एवं संस्थाओं की स्थापना की है। प्रकाशन के लिए मुख्यालय तथा प्रमुख केंद्र फार्मोसा में स्थित है।

Suma Ching Hai
International Assoaciation
P.O. Box 9, Hsihu, Miaoli Hsien,
Formosa (Taiwan), Republic of China

आप जिन व्यक्तियों से संपर्क स्थापित कर सकते हैं उन्होंने क्वान यिन पद्धति में दीक्षा ग्रहण की है एवं वे उनलोगों की सहायता करने को इच्छुक हैं जो गुरू मां चिंग हाई की शिक्षा के विषय में और अधिक जानना चाहते हैं अथवा उनसे दीक्षा ग्रहण करना चाहते हैं। वे आपके प्रशनों के उत्तर देने के लिए एवं आपकी सहायता करने के लिए तैयार हैं। वे आपके उपयुक्त आडियो एवं वीडियो कैसेट के चयन में आपकी सहायता कर सकते हैं। वे गुरू मां के व्याख्यान कार्यक्रमों, आवास तथा उनके अन्य क्रिया- कलापों की जानकारी भी आपको दे सकते हैं।